गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017

सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

लेट पोस्टिंग

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

प्रतिभाशाली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 8 अंक : 9 पृष्ठ संख्या : 8 माह - 15 जुलाई 2017 सहयोग राशी 1100/- देकर सदस्य बनें ।

समाज को गौरवांवित किया, हमें इन पर गर्व है ।

लिवी जैन, मंजवासौदा
भावना–राजेश जैन
12th - 94.4%
CBSE- Commerce

आयुषी जैन, ललितपुर
सीमा–अनिल जैन
12th - 93% ICSE - PCB में
जिले में प्रथम स्थान

प्रखर जैन, कालापीपल
निधि–प्रदीप जैन
GATE 2017 में
आल इंडिया 12 रैंक

प्रियम जैन, मंजवासौदा
मोहिनी–मनोज जैन
12th - 92.8%
CBSE - PCM

अमन जैन, इन्दौर
रेखा–अशोक जैन
12th - 94.2%Board - PCM
जिले में 7वां स्थान

जंगल में मोर नाचा किसने देखा ??

कोशिश भी कर, उम्मीद भी रख, रास्ता भी चुन ।
फिर उसके बाद थोड़ा मुकद्दर तलाश कर।।

कोई भी इन्सान ना तो जन्म जात महापुरुष होता है और ना ही असफल व्यक्तित्व । ये दोनों ही संभावनाएँ शैशवकाल में माता–पिता द्वारा रखी नींव के आधार पर बनती है । हर जन्म लेने वाला अपनी मेहनत और जोश से बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकता है, बच्चा सबसे पहले अपने परिवार से प्रभावित होता है । माता पिता के जीवन का उस पर गहरा असर पड़ता है । बच्चा एक अच्छा नागरिक और आदर्श व्यक्तित्व का स्वामी हो उसके लिए स्वस्थ्य वातावरण और आदर्श स्थिति देना माता पिता और समाज का दायित्व होता है । प्रतिभाएँ पुलकित पुष्पित हो, कोई भी पद, प्रतिष्ठा, डिग्री अपनी मेहनत और लगन से पाई जा सकती है लेकिन इसके लिए पारिवारिक पृष्ठभूमि अभिभावक बहुत मायने रखती है । पूज्य मुनिश्री द्वारा क्षमा सागरजी महाराज अक्सर कहते थे ''एक जीवन बनाने के लिए एक जीवन गिराना पड़ता है'' तभी प्रतिभाएं निखर कर समाज के सामने आती है और समाज का दायित्व भी बनता है कि ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान करें । हाँ सम्मान से याद आया **गोलालारीय दर्शन** ने हर बार समाज की प्रतिभाओं का सम्मानित करने का बीड़ा उठाया है । वैसे प्रतिभा है क्या ?

''बुद्धि की नई कोंपले फूटते रहना, नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज, नई स्फूर्ति ही प्रतिभा है । ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने है जहां पर लोगों ने अलग अलग क्षेत्रों में सफलता अर्जित की है, अपने भीतर छुपी प्रतिभा को पहचान कर या किसी और के द्वारा परिचित कराकर एक अलग मुकाम पाया है ।

इसमें माता पिता की भूमिका अहम होती है । बच्चे को प्रोत्साहित करके उसका साथ देकर उसको आगे बढ़ाना और समाज के समक्ष भी लाना क्योंकि जगल में मोर नाचा किसने देखा । वहीं यदि लोगों की नज़र उस पर पढ़ जाये तो वह बेहद खुश होकर पूरी लगन के साथ और मेहनत करेगा । बहुत बार बच्चे अपने आप को साबित करने में झिझकते है या यूं कहे वह अपनी सफलता को लोगों को बता नहीं पाते, तो क्या हुआ । आज के इस युग में ऐसे बहुत से माध्यम है जिसके द्वारा हम बच्चों की प्रतिभाओं से लोगों को परिचित करवा सकते है । इसी उम्मीद को लेकर गोलालारीय दर्शन पत्रिका एक सार्थक प्रयास कर रहा है । आप अपने बच्चों की प्रतिभा को हजारों लोगों से एक साथ परिचित करा सकते है । वैसे भी जिन पत्थरों को तराशा नहीं जाता वह हीरा नहीं बन पाते । अपने लाड़लों की कामयाबी में चार चांद लगाइये और भेज दीजिये समाज की एकमात्र पत्रिका में छपने के लिए । और उनके काम में, उनके हुनर में आप अपनी खुशी जोड़कर उन्हें अचंभित कर सकते है ।

सहसंपादिका – श्रीमती साधना जैन, आकाशवाणी, भोपाल

इंडिया नहीं भारत बोलो

आमोद जैन, कानपुर । संपूर्ण विश्व में दिगम्बर जैन समुदाय के श्रावकों ने आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज का 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव सानंद मनाया । मुख्य समारोह चंद्रगिरी, डोंगरगढ़ में अनेक आयोजन के साथ सानंद संपन्न हुआ । सुबह से ही आयोजन स्थल पर श्रावक बड़ी संख्या में आने लगे थे । प्रतिभा स्थली की छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये । हर कोई इस कार्यक्रम को प्रत्यक्ष देखना चाहता था इसलिये कार्यक्रम को भव्य बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया । इसी कढ़ी में सोने चांदी से निर्मित रथ को तैयार कराया गया है । यह रथ स्वर्गलोक में पाए जाने वाले विमानों की तरह ही है । इसे देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गये । इन्दौर उदासीन आश्रम के बाल ब्रह्मचारी अभयजी 'आदित्य' ने आचार्यश्री की पूजन का संयोजन किया । आचार्यश्री ने अपने संक्षिप्त देशना में श्रावकों को कहा कि दूसरों को जागृत करने के लिये पहले खुद को जागृत करना होगा । देश के प्रत्येक नगर, गांव में प्रात: से ही शोभा यात्रा निकालकर 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव मनाया गया ।

अनेक शहरों में झांकियों के साथ समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित हुए । उदयपुर में मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज के निर्देशन में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें प्रमाणसागरजी महाराज के द्वारा दिये गये उद्बोधन की मंशा अनुरुप महिलाओं ने सड़क पर बिना नृत्य किये शालीनता पूर्वक शोभायात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

सांगानेर में श्री मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज ने दिनांक 25 जून को अपने संक्षिप्त उद्बोधन में सभी को अपनी अवस्था अनुसार 28 जून को व्रत लेने का आह्वान किया था । उन्होंने श्रावकों को बिना रसी के व्रत लेने का संकल्प दिलाया जैसा कि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज द्वारा आहार लिया जाता है । उन्होंने श्रावकों को एक वर्ष, पांच वर्ष व छत्तीस वर्ष अपनी अवस्था अनुरुप व्रत धारण करने का भी आह्वान किया ।

वर्षभर अनेक शहरों में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे । हथकरघा, गौरक्षा व अन्य योजनाओं का आयोजन वर्षभर किया जाता रहेगा । इंडिया नहीं भारत बोलो के नारे को संपूर्ण विश्व में फैलाने का निर्णय कानपुर के आमोद जैन व अनूप जैन के साथियों ने लिया है ।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पत्रिका

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2017

"प्रयास"

रिश्तों को जोड़ने का...

परिचय पत्रिका वितरण 5 सितम्बर 2017 से

300/- रु. में विवाह योग्य प्रत्याशियों की पत्रिका प्राप्त करें ।

आप हमारी वेबसाईट www.golalariya.com पर फार्म अपलोड करके भेज सकते है एवं प्रविष्टि फार्म एवं बैंक में जमा राशि की रसीद की फोटोकॉपी हमें golalariya.darshan@gmail.com पर भेज सकते है ।

प्रविष्टि भेजने का पता – हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर – 452007
गोलालारीय दर्शन, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर 452 003

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे – मो.: 9425903301, 9424013136, 9425958188, 9329524227

विवाह योग्य युवक युवतियों की परिचय पुस्तिका 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का... के द्वितीय अंक का प्रकाशन 5 सितम्बर 2017 में किया जावेगा । इस पत्रिका के लिए हम क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के माध्यम से बायोडाटा प्रविष्टि फार्म व अन्य जानकारियां आप तक पहुंचाई जा चुकी है । प्रत्येक अभिभावक अपने विवाह योग्य बच्चों का संबंध अच्छे परिवार में तय करना चाहते है, इसके लिए उन्हें अपने बच्चों का बायोडाटा समाज की 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का... में अवश्य ही प्रकाशित करवाना चाहिये ताकि संबंधों की चर्चा को गति मिल सके । यदि हम अपने बच्चों का बायोडाटा प्रकाशित नहीं करवायेंगे तो अन्य अभिभावकों को आपके बच्चों की जानकारी कैसे मिल पायेगी ? विचार करें... प्रविष्टि फार्म सशुल्क 300 रु. जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2017 रहेगी । पुस्तिका का प्रकाशन 5 सितम्बर के पश्चात अंक को आपको पहुंचा दिया जावेगा । हमारा प्रयास है कि दीपावली पश्चात विवाह का आगामी सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही इस पत्रिका के माध्यम से आप योग्य प्रत्याशियों की जानकारी प्राप्त कर बातचीत की रुपरेखा बना सके । **हमारे इस प्रयास से जुड़ने के इच्छुक सज्जन संपर्क करे – 9424013136**

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।